647510 **BRS5HinE016D** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2024 (NEW COURSE)
E-16 Hindi(Elective-16)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न- १ 'नहुष' खंडकाव्य की कथावस्तु सर्गबद्ध तरीके से लिखे । (१४)

अथवा

प्रश्न- १ राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त जी के जीवन-कृतित्व की चर्चा करें ।

प्रश्न- २ उर्वशी बौधिक और कला-कुशल भी है साबित करें । (१४)

अथवा

प्रश्न- २ 'नहुष' काव्य में व्यक्त उद्देश्यों की चर्चा करें ।

प्रश्न- ३ ऋषि नारद जी का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखें । (१४)

अथवा

प्रश्न- ३ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'नहुष' काव्य की आलोचना करें ।

प्रश्न- ४ 'नहुष' खंडकाव्य की नायिका शची का चरित्र-चित्रण करें । (१४)

अथवा

प्रश्न- ४ 'नहुष' काव्य के नायक का चरित्र-चित्रण करें ।

प्रश्न- ५ निम्नांकित संदर्भो से किन्हीं दो संदर्भो की चर्चा करें । (१४)

(१) मानता हूँ और सब, हार नहीं मानता,
अपनी-अगति नहीं आज भी मैं जानता
आज मेरा भुकतोजनित हो गया है स्वर्ग भी
लेके दिखा दूँगा, कल मैं ही अपवर्ग भी" ।

(२) कर्म करे लोग, इतना ही नहीं इष्ट है,
शिष्ट है वही जो कर्म कौशल विशिष्ट है ।
होगा वह कक्या बडा, जो विघ्नों से नहीं लडा ।
यों तो सुखी-शांत वहीं, जो जड हुआ पडा ॥

(३) देव सदा देव तथा दनुज दनुज हैं,
जा सकतें किंतु दोनों और ही मनुज है ।
रह सकती हुँ सावधान दानवों से मैं
शंक्ति ही रहती हुँ हाय । मानवो से मैं ॥

(४) "नहीं, किंतु पद में सदैव एक मर्द है,
सीमा लांघ जाता उमडता जो नए है ।
निश्चय है कब क्या किसी के मन का कहीं
शंक्ति हो मेरामन आतंकित है यहीं ।

****